भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2561**

जिसका उत्तर दिनांक 23.03.2023 को दिया जाना है

**आईआरईएल द्वारा दुर्लभ भू-सामग्री का उत्पादन**

**2561 श्रीमती संगीता यादव :**

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों के दौरान आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा दुर्लभ भू-सामग्री के उत्पादन संबंधी आंकड़े क्या हैं;

(ख) क्या विश्व में दुर्लभ भू-सामग्री क्षेत्र में चीन की प्रगति का मुकाबला करने के लिए सरकार अच्छी साख वाले घरेलू गैर-सरकारी उद्यमियों के लिए दुर्लभ भू-क्षेत्र खोलने पर विचार कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क)

| अवधि (वर्षों में) | 2021-22 | 2020-21 | 2019-20 | 2018-19 | 2017-18 |
|---|---|---|---|---|---|
| मिश्रित विरल मृदा क्लोराइड का उत्पादन (मात्रा, टन में) | 5578 | 4433 | 5034 | 4215 | 2724 |

(ख) से (घ) भारत में, विरल मृदा तत्वों (आरईई) का मुख्य स्रोत मोनाज़ाइट है जो तटीय रेत खनिज (बीएसएम) रेत निक्षेपों में पाया जाता है और विरल मृदा के साथ-साथ थोरियम, यूरेनियम की उपस्थिति के कारण स्वभाव में रेडियोसक्रिय होता है। इसलिए, आरईई का खनन और निष्कर्षण डीएई के नियंत्रणाधीन है। यथोचित रेडियोसक्रियता से मुक्त ऑक्साइड/यौगिकों के रूप में आरईई सभी के लिए ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) के तहत उपलब्ध है। कोई भी उद्योग (सार्वजनिक या निजी) आगे के प्रक्रम या वांछित अंतिम उपयोग के लिए स्वदेशी रूप से उत्पादित उच्च शुद्ध विरल मृदा तक प्रवेशन कर इसका उपयोग कर सकता है।

* * * * *